SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

KIRHINDIH, KUMHAU STATION ROAD, SHIVSAGAR

COURSE NAME – B.Ed. 1st Year **SESSION** – 20-22

SUBJECT - EPC-3 (ICT)

TOPIC NAME – UNIT-2 (परम्परागत एवं आधुनिक ICT तकनीकियां)

DATE - 02.02.22

⇒ परम्परागत एवं आधुनिक सूचना तथा सम्प्रेषण तकनीकियाँ

★ परम्परागत / प्राचीन सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकियाँ :-

⇒ इन तकनीकियों में निम्न प्रकार के साधन, उपकरण तथा सामग्री आदि का उपयोग होता था। इन्हें छुआ या देखा जा सकता था।

⇒ मुद्रित साधन जैसे :- पाठ्यपुस्तक, सौन्दर्य ग्रंथ, अन्य साहित्य एवं पुस्तकें पत्र, पत्रिकाएँ आदि विद्यालय और आस सार्वजनिक पुस्तकालयों से उपलब्ध पठन सामग्री।

⇒ मौखिक सूचनाएँ एवं ज्ञान जिसे सहपाठियों, बड़ी कक्षाओं में पढ़ने वाले अन्य विद्यार्थियों, जैसे; माता-पिता तथा परिजनों एवं समाज के अन्य सदस्यों के औपचारिक तथा अनौपचारिक रूप में प्राप्त किया जा सकता है।

⇒ चित्रात्मक सहायक साधन - जैसे :- चित्रपट, मानचित्र, पोस्टर तथा कार्टून etc.

⇒ क्रियात्मी सहायक साधन, जैसे :- नमूने, मॉडल etc.

⇒ श्रव्य-दृश्य हार्डवेयर उपकरण जैसे :- Redio, T.V., slide Projector, cinema, Tap recording, Audio-vedio Recording उपकरण etc

⇒ आधुनिक सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकियाँ :-

आधुनिक सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकियाँ परम्परागत तकनीकियों की तरह एकांकी नहीं है। वे अपने आप में विभिन्न Hardware तथा software मीडिया तथा सम्प्रेषण प्रणालियों का सम्मिश्रण है। इसमें से प्रमुख कार्यों का निम्न प्रकार उल्लेख किया जा सकता

- ⇒ Digital vedio camara
- ⇒ multimedia computer.
- ⇒ Lap-top & Notebook.

⇒ Application sofware जैसे :- word processing, spredsheet, Power point etc.

⇒ किसी बड़े समूह के साथ भली-भाँति सम्मिलित सम्प्रेषित करने हेतु काम में लाये जाने वाला multimedia projector (L.C.D

⇒ Local Area Network (LAN), metropolitant Area Netw (MAN), wide Area Network (WAN) etc.

⇒ computer डिवाईस तथा Desk top Processing प्रक्रम जैसे RAm. DVD etc.

- ⇒ Digital Library
- ⇒ E-mail, Internet, WWW
- ⇒ computer media, confrencing vedio, तथा Audio con cing etc.

⇒ सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के लाभ एवं उपयोगिता —

सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी ने हमारे दैनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे - शिक्षा, व्यापार, बैंकिंग, चिकित्सा को प्रभावित किया है। इसने हमारे सोचने के ढंग, सम्प्रेषित करने के तरीके तथा अधिकांश चीजों को प्रभावित किया है।

लाभ :-

1. ज्ञान आधारित समाज के निर्माण में सहायक : नए यन्त्रों एवं विधियों के द्वारा सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी ने शिक्षा के माध्यम से ज्ञान आधारित समाज के निर्माण में सहायता प्रदान की है। इस युग में परम्परागत तकनीकों की सहायता से शिक्षण प्रदान करके नवयुवकों को आने वाले परिवर्तनों के लिए तैयार नहीं किया जा सकता है। सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का समुचित प्रयोग इस दिशा में सहायक सिद्ध हो रहा है।

2. छात्रों का व्यक्तिगत विकास :- छात्र अपने स्वयं के विकास के लिए सूचनाओं को प्राप्त करने एवं प्रयोग करने का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। इसके द्वारा छात्र अपनी जिज्ञासाओं को शान्त कर सकते हैं तथा आविष्कार निर्माण, आदि में सहायता प्राप्त कर सकते हैं। सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के द्वारा छात्र ज्ञान, समझ, कौशल, रूचि आदि अर्जित कर सकते हैं।

3. शिक्षण में सहायक : सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी शिक्षकों को शिक्षण-अधिगम क्रिया में सहायता देती है। पुस्तकें, पत्रिकाओं अध्ययन सामग्री, दृश्य-श्रव्य सामग्री उपकरणों, आदि के रूप में सूचनाओं के स्रोत शिक्षकों को शिक्षण-अधिगम सामग्री एवं तकनीकों को प्राप्त करने में सहायक होते है। शिक्षण, उद्देश्यों की प्राप्ति में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी शिक्षकों व छात्रों की सहायता करती है।

4. छात्र-केन्द्रित शिक्षण में सहायक : शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को केन्द्रित से छात्र-केन्द्रित बनाने में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसकी सहायता से छात्र बड़ी संख्या में सूचनाओं को प्राप्त कर सकते है। तथा प्रभावी सम्प्रेषण के द्वारा सहयोगात्मक शिक्षण से कठिन कार्यों को भी कर सकते है।

5. शैक्षिक प्रशासन में सहायक : शैक्षिक प्रशासकों को उनकी व्यावसायिक जिम्मेदारियों का पालन करने में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी महत्वपूर्ण भूमिका है। शैक्षिक प्रशासकों के लिए ये सूचनाएं पाठ्यक्रम निर्माण, विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक उद्देश्यों, मूल्यांकन विधि, विद्यालयों को दिए जाने वाले संस्थापनों, आदि के संबंध में निर्णय लेने में सहायक होते है।

6. शैक्षिक शोध कार्यों में सहायक :- सूचना और सम्प्रेषण तकनीकी ने शैक्षिक शोध कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके माध्यम से शोध कार्यों के लिए अपेक्षित शुद्ध एवं विभिन्न प्रकार के सूचनाएं प्राप्त होती है। सम्प्रेषण के स्त्रोतों के द्वारा शोध कार्य आसानी से हो सकते है।

इस प्रकार शिक्षा के सभी क्षेत्रों में सूचना और सम्प्रेषण तकनीकी की महत्वपूर्ण भूमिका है।